विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -25 - 01 - 2022**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक - पंकज कुमार**

सुप्रभात् बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

समास के भेद कितने है

समास के मुख्य सात भेद है:-
(1)तत्पुरुष समास
(2)कर्मधारय समास
(3)द्विगु समास)
(4)बहुव्रीहि समास
(5)द्वन्द समास
(6)अव्ययीभाव समास
(7)नञ समास

तत्पुरुष समास की परिभाषा और उदहारण

(1)तत्पुरुष समास :- जिस समास में बाद का अथवा उत्तरपद प्रधान होता है तथा दोनों पदों के बीच का कारक-चिह्न लुप्त हो जाता है, उसे तत्पुरुष समास कहते है।
जैसे-
तुलसीकृत= तुलसी से कृत
शराहत= शर से आहत
राहखर्च= राह के लिए खर्च
राजा का कुमार= राजकुमार
तत्पुरुष समास में अन्तिम पद प्रधान होता है। इस समास में साधारणतः प्रथम पद विशेषण और द्वितीय पद विशेष्य होता है। द्वितीय पद के विशेष्य होने के कारण इस समास में उसकी प्रधानता रहती है।

तत्पुरुष समास के कितने भेद हैं

तत्पुरुष समास के छह भेद होते है-
(i) कर्म तत्पुरुष
(ii) करण तत्पुरुष
(iii) सम्प्रदान तत्पुरुष
(iv) अपादान तत्पुरुष
(v) सम्बन्ध तत्पुरुष
(vi) अधिकरण तत्पुरुष

(i)कर्म तत्पुरुष (द्वितीया तत्पुरुष)-इसमें कर्म कारक की विभक्ति 'को' का लोप हो जाता है। जैसे-

समस्त-पदविग्रह
स्वर्गप्राप्त =स्वर्ग (को) प्राप्त
कष्टापत्र =कष्ट (को) आपत्र (प्राप्त)
आशातीत = आशा (को) अतीत
गृहागत =गृह (को) आगत
सिरतोड़ =सिर (को) तोड़नेवाला
चिड़ीमार =चिड़ियों (को) मारनेवाला
सिरतोड़ सिर =(को) तोड़नेवाला
गगनचुंबी =गगन को चूमने वाला
यशप्राप्त =यश को प्राप्त